तापमान

अधिकतम 28.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि

मध्यांचल भूमि

रायपुर, रविवार 24 अगस्त 2025

बलौदाबाजार | भाटापारा | खरोरा | लवन | कसडोल | पलारी-अमेरा | बिलाईगढ़ | संडी बंगला

12 धूमधाम से मनाया गया भोजली त्यौहार

13 ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पोला पर्व

अग्निशमन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रशिक्षण द्वारा 10th / 12th / स्नातक छात्राओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर

भिलाई। संस्था फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण केंद्र निजी संस्थान भिलाई में रोजगार मुखी प्रशिक्षण हेतु भर्ती योग्यता 10वीं 12वीं एवं स्नातक एवं स्नाकोत्तर किसी भी संकाय आयु 17 से 40 वर्ष फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा डिग्री डिप्लोमा कार्यरत कमर्चारी पार्ट टाइम फुल टाइम प्रशिक्षण कर सकते हैं, मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान एवं रोजगार विकास हेतु पंजीकृत FSDMI BHILAI मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा विशेष प्रशिक्षण अग्निशमन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रबंध पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रोजगार उपलब्धता है, फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा की नियुक्ति फायर स्टेशन, कारखाने, खदानों, माइनिंग, पावर प्लांट, कागो हब फैक्ट्री कारखाने सरकारी एजेंसी, इंश्योरेंस कंपनी एवं अन्य जगहों में फायर अधिकारी, ट्रेनर, फायरमैन, औद्योगिक सुरक्षा निरीक्षक, सेफ्टी मैनेजर, फायर सुपरवाइजर, टीम लीडर जैसे अन्य पदों हेतु अवसर मिलते हैं तथा भविष्य में पदोन्नति की भरपूर संभावनाएं होती है साथ ही फायर एवं सेफ्टी ऑफिसर स्वयं रोजगार के लिए समर्थ होते हैं अनुमानित जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में बने नए जिलों में अनुमानित लगभग 2000 पद फायरमैन एवं अग्निशमन वाहन चालक की भर्तियां आने की

संभावना है, संस्था से प्रशिक्षण प्राप्त कर छात्र-छात्राएं विभिन्न कंपनियों जैसे रक्षा मंत्रालय भारत सरकार (DRDO), भिलाई स्टील प्लांट, रेल मंत्रालय ब्रेथवेट कंपनी लिमिटेड, पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, एवं अन्य कंपनियों में ठेकेदारी बेस से कार्यरत कर रहे हैं संस्था FSDMI भिलाई में चल रहे 6 माह, 1 वर्षीय, फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण की जानकारी सूचना केंद्र में बताई जाएगी, संस्था द्वारा उपलब्ध सुविधाएं प्रशिक्षण के दौरान आत्मनिर्भरता के लिए सुविधा अनुसार पार्ट-टाइम, फुल-टाइम नौकरी दिलवाने में सहायता की जाती है जिससे छात्र-छात्राएं अपनी प्रशिक्षण की शुल्क एवं रहने और खाने क्या खर्च स्वयं से निकाल सकते हैं, प्रशिक्षण प्राप्त उम्मीदवारों एवं सफल अभ्यथिर्यो को सरकारी प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा प्रशिक्षण उपरांत छात्रों को निजी कंपनियों में नौकरी लगने में सहायता की जाती है, सभी जाति वर्ग के (SC, ST, OBC, GENERAL) छात्र-छात्राओं संस्था के द्वारा प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट दी जाएगी। **अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: मो. 7697212782 पता: फायर सेफ्टी डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, (निजी संस्थान) इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, नजदीक - गदा चौक, सुपेला भिलाई, दुर्ग (छ.ग.)** Advt.

खबर संक्षेप

दो स्थाई वारंटियों को नागपुर से किया गिरफ्तार

सिमगा। पुलिस थाना सिमगा द्वारा क्षेत्र में जुआ, सट्टा, एवं अवैध रूप से शराब बिक्री जैसे अवैधानिक कार्यों में लिप्त आरोपियों एवं शांति व्यवस्था बाधित करने वाले असमाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्यवाही लगातार जारी है। साथ ही विभिन्न मामलों में फरार आरोपियों एवं स्थाई वारंटियों की लगातार खोजबीन जारी है तथा उनके छुपने के संभावित ठिकानों पर पुलिस द्वारा लगातार दबिश भी दी जा रही है। इसी क्रम में पुलिस टीम द्वारा पुलिस पशु क्रूरता अधिनियम के दो स्थाई वारंटियों जिनमें शेख जावेद कुरैशी निवासी आजाद नगर नई दिल्ली वर्तमान निवासी टेका नागपुर जिला नागपुर महाराष्ट्र एवं सैयद सुमेल उर्फ समीर उम्र 34 वर्ष निवासी गंगा बाग दत्ता चौक परडी थाना कलगना जिला नागपुर महाराष्ट्र गिरफ्तार किया है तथा न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

सट्टा-पट्टी लिखने वाला हुआ गिरफ्तार

सिमगा। थाना प्रभारी रितेश मिश्रा से मिली जानकारी के अनुसार समाधान सेल/" में प्राप्त सूचना के आधार पर थाना सिमगा की पुलिस द्वारा घेराबंदी कर नया बस स्टैंड सिमगा में सट्टा-पट्टी लिखने वाले एक सटोरिया घनश्याम देवांगन उम्र 27 साल निवासी कंकालिन पारा सिमगा को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से सट्टा-पट्टी सहित 1 मोबाइल एवं नगदी 300 जप्त कर छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 06(क) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। उल्लेखनीय हो कि पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु पुरे जिले में महत्वाकांक्षी योजना /"समाधान सेल/" प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा आपराधिक गतिविधि की जानकारी /"समाधान सेल/" हेल्पलाइन नंबर में ▸▸ शेष पेज 13 पर

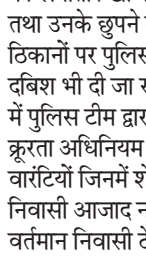

पर्व : सामूहिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बना भोजली विसर्जन

गांव-गांव में मना पोला, नंदी पूजा कर किया भोजली विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बलौदाबाजार

छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को जीवंत करते हुए ग्रामीण अंचलों में पारंपरिक त्योहार पोला बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मिट्टी से बने नंदी बैल की पूजा-अर्चना कर दिनभर गांव में धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

पोला पर्व के साथ ही भोजली विसर्जन का पारंपरिक अनुष्ठान भी सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर गांव की महिलाओं और बच्चियों ने विशेष रूप से भागीदारी निभाई। भोजली उत्सव की शुरुआत गेहूं के दाने को भिगोकर छोटे-छोटे बर्तनों और टोपालियों में अंकुरित कर की जाती है। इसे 11 दिनों तक पूजा-अर्चना व सेवा भाव से रखा जाता है। निर्धारित दिन पर ग्रामीणजन पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर भोजली विसर्जन के लिए एकत्रित होते हैं। विशेष रूप से छोटी बच्चियां नए परिधान पहनकर भोजली को सिर पर धारण कर कतारबद्ध रूप से गंगा स्नान के लिए ▸▸ शेष पेज 13 पर

रंग बिरंगी संस्कृति से एकता को बढ़ावा देता है पोरा तिहार: इन्द्र साव

भाटापारा। पोला पर्व के अवसर पर स्थानीय रावण भाठा हथनीपारा में एक विशाल बैल दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक इंद्र साव ने विजेताओं को नगद राशि देकर सम्मानित किया। प्रथम पुरस्कार यशवंत साहू को, द्वितीय पुरस्कार दौलत साहू को और तृतीय पुरस्कार साधु ध्रुव को मिला।

विधायक इंद्र साव ने उपस्थित लोगों को पोला पर्व की बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छत्तीसगढ़ी तीज-त्योहारों और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी संस्कृति को सहेज कर रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने पोरा त्योहार को रंग-बिरंगी संस्कृति से एकता को बढ़ावा देने वाला पर्व बताया, जो छत्तीसगढ़ की ग्रामीण संस्कृति और कृषि जीवन की एक महत्वपूर्ण परंपरा है। कार्यक्रम से पहले विधायक इंद्र साव ने प्रतिभागियों के बैलों की पूजा-अर्चना की ▸▸ शेष पेज 13 पर

आयोजकों की हुई सराहना

विधायक श्री साव ने इस कार्यक्रम के आयोजकों को भी बधाई दी और कहा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ की संस्कृति और पहचान को आज तक अक्षुण्ण बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न सिर्फ मनोरंजन का साधन हैं, बल्कि सामाजिक सद्भाव को भी बढ़ावा देते हैं। इस अवसर पर गिरिजाशंकर साव, अशोक ध्रुव, गेंदु साहू पार्षद, सत्यजीत शेंडे, चंद्रकुमार साहू, हलधर शर्मा, पुनीत दास, गिरधारी साहू, प्यारे साहू, शम्भू साहू, सुरेश साहू, मोंटू ध्रुव, बाला साहू, भगवत साहू, प्रभु साहू, बहादुर निषाद, यशवंत साहू, पन्ना साहू, साधु ध्रुव, दौलत साहू सहित काफी संख्या मे नगरवासी एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ तस्वीरें डालने वाले 4 बदमाश गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बलौदाबाजार/भाटापारा

- शहर और ग्रामीण इलाकों में चाकू लहराकर सनसनी फैला रहे थे आरोपी

भाटापारा पुलिस ने धारदार चाकू, छुरी और अन्य हथियार रखने वाले अपराधियों के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी न केवल अपने पास हथियार रखते थे, बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर भी हथियारों के साथ अपनी तस्वीरें अपलोड कर लोगों को डरा रहे थे। एसडीओपी तारेश साहू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस कार्रवाई की

जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देश पर, भाटापारा शहर और ग्रामीण थाना क्षेत्रों में पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी। पूछताछ के दौरान, सभी आरोपियों ने अपने पास धारदार हथियार रखने और इंस्टाग्राम पर उनकी तस्वीरें पोस्ट करने की बात स्वीकार की। इस अभियान के तहत गिरफ्तार किए गए आरोपियों - 1. ओमप्रकाश साहू (19), 2. टाकेश सेन (22), 3. निलेश वर्मा (20), 4. तीजू वर्मा (23) पर आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर उन्हें न्यायालय में पेश करने की तैयारी की जा रही है।

अभियान का उद्देश्य: पुलिस ने यह विशेष अभियान इसलिए चलाया क्योंकि उन्हें लगातार यह सूचना मिल रही थी कि कुछ लोग शहर और ग्रामीण इलाकों में धारदार चाकू दिखाकर लोगों में भय का माहौल पैदा कर रहे थे। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ तस्वीरें अपलोड करने से समाज में नकारात्मक संदेश जा रहा था, जिससे युवा वर्ग भी प्रभावित हो सकता था। पुलिस का उद्देश्य ऐसे तत्वों को नियंत्रित कर कानून-व्यवस्था बनाए रखना है।

लापता बुजुर्ग का शव तालाब में मिला, इलाके में सनसनी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गिधौरी

- पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, मौत के कारणों की जांच जारी

समीपस्थ नगर पंचायत टुंड्रा में पिछले तीन दिनों से लापता 65 वर्षीय बुजुर्ग का शव सुरगुड़ा तालाब में तैरता हुआ मिला है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार, नगर पंचायत टुंड्रा के वार्ड क्रमांक 11 नि वा सी रामचरण सोनी, उम्र 65 वर्ष, दिनांक 21 अगस्त को बिना बताए घर से निकल गए थे।

परिवार के लोग उनकी खोजबीन में जुटे थे, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिल रहा था।

शनिवार, 23 अगस्त को सुबह ग्रामीणों ने सुरगुड़ा तालाब में एक शव को तैरते हुए देखा, जिसके बाद उन्होंने तत्काल गिधौरी टुंड्रा पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकाला। शव की शिनाख्त लापता बुजुर्ग ▸▸ शेष पेज 13 पर

तीन दिन बाद मिला शव

रामचरण सोनी के अचानक लापता होने से उनका परिवार परेशान था और वे लगातार उनकी तलाश कर रहे थे। तीन दिन बाद उनका शव मिलने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि बुजुर्ग की मौत आत्महत्या है या इसके पीछे कोई और कारण है।

पुलिस कर रही है जांच

गिधौरी टुंड्रा पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है ताकि जल्द से जल्द सच्चाई सामने आ सके।

धूमधाम से मनाया गया विश्व हिंदू परिषद का 61वां स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बलौदाबाजार

विश्व हिंदू परिषद मातृ शक्ति दुर्गा वाहिनी द्वारा शुक्रवार को षष्ठी देवी मंदिर प्रांगण में परिषद के 61 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भजन, मटकी फोड़ प्रतियोगिता और महारास-गरबा का आयोजन हुआ।

मटकी फोड़ प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए प्रतिभागियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और ▸▸ शेष पेज 13 पर

अल्ट्राटेक रावन ने गांव में लगाए 22 सीमेंट बेंच

बलौदाबाजार। अल्ट्राटेक रावन सीएसआर द्वारा जनहित में ग्राम पेड्री एवं सरसेनी में वरिष्ठ नागरिक दिवस के उपलक्ष्य में 22 सीमेंट बेंच स्थापित किये गये। सीमेंट बेंच सेट गांव के सार्वजनिक स्थानों पर पंचायत के देखरेख में लगाया गया। उन स्थानों पर ग्रामीणजन तथा वरिष्ठजन पथिकों को बैठने तथा आराम करने में सहूलियत होगी। ग्राम मे ऐसे बेंच आदि की बैठक

व्यवस्था हेतु ग्राम पंचायतो से आवेदन किया गया था जिसमें यह व्यक्त भी किया गया था कि वृध्दो और दिव्यांग आदि को इससे विशेष सुविधा प्राप्त ▸▸ शेष पेज 13 पर

स्कूलों और पंचायतों में बच्चों व आमजनों को दी गई साइबर ठगी से बचने की जानकारी

पुलिस ने साइबर अपराध से बचाव के लिए चलाया जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बलौदाबाजार

जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने विभिन्न प्रकार की ठगी से बचाव के लिए आमजनों के बीच एसपी के निर्देश पर लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाया है। इसी कड़ी में, 22 अगस्त को थाना लवन, हथबंद, चौ की करहीबाजार और बया पुलिस द्वारा सा इ ब र जा ग रू क ता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ये कार्यक्रम ग्राम हथबंद,

- लालच भरे फोन कॉल व अनधिकृत लिंक पर क्लिक करने से किया गया सावधान

सिरियाडीह, करहीबाजार और बया स्थित स्कूलों और पंचायत भवनों में आयोजित किए गए।

इस दौरान पुलिस टीम ने उपस्थित स्कूली बच्चों और आमजनों को साइबर अपराधों से सावधान रहने और उनसे बचाव के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। उन्हें किसी भी प्रकार के आकर्षक स्कीमों के लालच में न आने, अनजान कॉल्स को अटेंड न करने, अनधिकृत लिंक्स को क्लिक न करने और अपनी बैंक डिटेल्स किसी भी अजनबी को न देने की सलाह दी गई। पुलिस टीम ने लोगों को समझाया कि कैसे वे अपनी ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। इसके तहत, उन्हें बताया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर अपने बैंक खाते की जानकारी जैसे ओटीपी, पिन, या पासवर्ड साझा न करें। साथ ही, किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें, क्योंकि इससे आपके फोन या कंप्यूटर में मैलवेयर आ सकता है।

साइबर अपराध की शिकायत का तरीका

अगर कोई व्यक्ति किसी भी प्रकार से साइबर ठगी का शिकार हो जाता है, तो उसे तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। पुलिस ने बताया कि ऐसे मामलों में तत्काल 1930 पर कॉल कर पूरी जानकारी देनी चाहिए। इस हेल्पलाइन नंबर पर सूचना देने से साइबर ठगी के शिकार हुए व्यक्ति के पैसे वापस मिलने की संभावना बढ़ जाती है और पुलिस को अपराधी तक पहुंचने में मदद मिलती है।

बालाजी प्रा. आई.टी.आई

ITI BHATAPARA

Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T.
New Delhi (Govt. of India)

भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट

REGISTRATION OPEN
• ELECTRICIAN 2 Year (10th Pass)

सिद्ध बाबा रोड (रेलवे गेट के पास) भाटापारा
89595-93918 • 98261-76302

खबर संक्षेप

स्कूली बच्चों को कराया गया न्योता भोज

महासमुंद। छत्तीसगढ़ शासन की प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के अंतर्गत न्योता भोज का आयोजन विकासखंड कार्यालय महासमुंद के लेखपाल सीके तिवारी द्वारा अपने पुत्र चंद्रहास तिवारी के जन्मदिन पर किया गया। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी लीलाधर सिन्हा, समन्वयक सुरेंद्र चंद्राकर, शिक्षक देवेंद्र ठाकुर, मनीषा साहू, विमलेश्वरी, स्वाति, रसोइया निशा, लक्ष्मी, मोनिका, ईश्वरी आदि मौजूद रहे।

सोरम में मनाया गया पोला पर्व

खल्लारी। खेती किसानी और समृद्धि का प्रतीक पोला त्योहार ग्राम सोरम में धूमधाम से मनाया गया। किसानों ने अपने बैलों को नहला कर सजाया और उनकी पूजा की गई। इसी के साथ घरों में अनेक प्रकार के पकवान बनाए गए और लोगों ने मिलकर त्यौहार का आनंद लिया। इस पूजा समारोह में गांव के सरपंच सरोज लालसिंग दीवान, टिकेश दीवान उपस्थित रहे। साथ ही गांव के प्रमुख नागरिक हीरासिंग निषाद, खेमराज यादव, विश्वनाथ गुप्ता, विक्रम यादव, अख्तर बेग, किशोर चंद्राकर, नरसिंग चंद्राकर, बालक दास आदि ने बताया कि गांव में उल्लास के साथ यह पर्व मनाया गया।

सिंघी स्कूल में मनाया गया पोला का पर्व

खल्लारी। शासकीय प्राथमिक शाला सिंघी में पोला पर्व मनाया गया। बच्चों द्वारा बैल एवं जाता पोला, जैसे खेल का आयोजन किया गया। बच्चे ठेठरी, खुर्मी, मीठा व्यंजन लेकर आए थे। शिक्षकों ने इस पारंपरिक पर्व के बारे में बच्चों को जानकारी दी। इस अवसर पर पीतांबर राव पाठक (प्रधान पाठक), राजेंद्र साहू, नूतन दुबे, प्रतिभा साहू, रूपसिंह दीवान, आलोक चंद्राकर, भीखम कश्यप, रोहित पटेल, शबनम मिर्जा शामिल हुए।

सेवा केंद्र में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

महासमुंद। विश्व बंधुत्व दिवस एवं भूतपूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के 18वीं पुण्यस्मृति दिवस पर स्थानीय सेवा केंद्र उपकार भवन नयापारा वार्ड में विशाल रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। जहां सौ से अधिक स्थानीय नागरिकों ने स्वेच्छिक रक्तदान कर अनेक दुआओं से अपनी झोली भरी। इस कार्य का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष निखिल कांत साहू ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

सोरिद में हुआ विधिक जागरुकता कार्यक्रम

महासमुंद। हाईस्कूल सोरिद में जिला न्यायालय महासमुंद द्वारा विधिक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रियतोश साहू पीएलवी एवं बाबी गंडेचा पैरालीगल वालेंटियर बच्चों को बताया गया कि एफआईआर क्या होता है। बच्चों को गुड टच बेड टच का मतलब बताया गया।

गणपति बप्पा की प्रतिमाओं को दिया जा रहा अंतिम रूप

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिरमी रावन

गणेश चतुर्थी पर्व नजदीक आने के साथ ही मूर्तिकारों की व्यस्तता बढ़ गई है। जगह-जगह गणपति बप्पा की सुंदर प्रतिमाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। ग्राम केवतरा निवासी मूर्तिकार खुमान वर्मा इन दिनों अपनी बेटी पायल वर्मा के साथ मिलकर दिन-रात मूर्तियों पर रंग-रोगन और साज-सज्जा कर उन्हें आकर्षक स्वरूप प्रदान करने में जुटे हैं। मोहरा बस स्टैंड के पास बने अस्थायी शेड में खुमान वर्मा अलग-अलग आकार-प्रकार की गणेश प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। यहां मोर पर विराजमान गणेश से लेकर साधारण आसन पर बैठे गणपति की मूर्तियां मौजूद हैं, जो श्रद्धालुओं का ध्यान खींच रही हैं। मूर्तियों को सजाने-संवारने में विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि भक्तों की आस्था और भक्तिभाव में वृद्धि हो। खुमान वर्मा का कहना है कि इस बार उन्होंने रंगों के चयन में खास ध्यान रखा है, जिसके लिए आधुनिक पेंटिंग तकनीक और पारंपरिक रंगों का मिश्रण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष गांव और आसपास के क्षेत्रों से मूर्तियों की अच्छी मांग रही है और अधिकांश प्रतिमाएं पहले ही बुक हो चुकी हैं।

- श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी, अधिकांश मूर्तियां पहले ही हो चुकी हैं बुक

मूर्तिकार खुमान वर्मा अपनी बेटी के साथ मिलकर तैयार कर रहे हैं आकर्षक मूर्तियां

कला और भक्ति का संगम

खुमान वर्मा के लिए गणेश उत्सव केवल जीविका का साधन नहीं, बल्कि भक्ति और कला का संगम है। वे हर साल पूरी लगन और भक्तिभाव से प्रतिमाएं बनाते हैं। उनकी चाहत यही रहती है कि हर घर में गणपति बप्पा का वास हो। यह कार्य उनके परिवार के लिए एक पारंपरिक विरासत बन गया है। उनकी पुत्री पायल वर्मा भी इस कार्य में उनका पूरा सहयोग करती हैं। पायल बचपन से ही अपने पिता से यह कला सीखती आ रही हैं।

परंपराओं को जीवंत करते हुए बहनों ने पोला पटका, बच्चों ने मिट्टी के बैल दौड़ाए

मांदर की थाप पर पोला और भोजली की धूम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बगबुड़ा

अंचल में मांदर की थाप और पारंपरिक गीतों के बीच भोजली विसर्जन और पोला पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ग्राम पंचायत कुम्हारी सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में लोगों ने इस अनूठे पर्व की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर, मायके आईं बहन-बेटियों ने अपनी परंपराओं को निभाते हुए पोला पटका।

महिलाओं ने मांदर की धुन पर भोजली विसर्जन किया, जिसे समृद्धि और शांति की कामना का प्रतीक माना जाता है। इसके बाद, चौक पर पारंपरिक पोला मिट्टी के बर्तन को पटक कर फोड़ा गया। यह इस पर्व का एक महत्वपूर्ण और सांस्कृतिक अनुष्ठान है। बच्चों ने भी पर्व में उत्साहपूर्वक भाग लिया, बैलों की पूजा की और पारंपरिक बैल दौड़ में हिस्सा लिया। मायके में आई बहन-बेटियों ने अपनी सखियों के साथ खो-खो, जलेबी दौड़ और फुगड़ी जैसे पारंपरिक खेलों में भी भाग लिया। इन खेलों ने पूरे माहौल को जीवंत बना दिया और लोगों ने बचपन की यादों को ताजा किया।

इस सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण पर्व को सफल बनाने में कई लोगों का योगदान रहा। कीर्तन मंडली के खेम सिंह साहू, मुखीराम पैकरा, राकेश सिंह क्षत्रिय, दिलीप सिंह क्षत्रिय और कीर्तन यादव ने माहौल को भक्तिमय बनाया। वहीं, महिला भोजली कार्यकर्ता मानव बाई पैकरा ने भी अपनी भूमिका निभाई। यह पर्व पूरे गांव में उत्साह और उमंग का माहौल बना।

पोला का त्योहार मुख्य रूप से कृषि और पशुधन के सम्मान का प्रतीक है, जिसमें किसान अपने बैलों की पूजा करते हैं। वहीं, भोजली पर्व मित्रता और भाईचारे को दर्शाता है। यह पर्व गेहूं के अंकुरित पौधों को सिर पर रखकर तालाब या नदी में विसर्जित करने की एक खास परंपरा है। दोनों पर्व छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और ग्रामीण जीवन की एकजुटता को दर्शाते हैं।

धूमधाम से मनाया गया भोजली त्यौहार

संडी बंगला। अंचल में भोजली त्यौहार धूमधाम से उत्साह के साथ मनाया गया। इस संबंध मे विस्तृत जानकारी देते हुए वार्ड 6 के वरिष्ठ नागरिक व पूर्व प्राचार्य एसके दुबे ने बताया की छत्तीसगढ में भोजली का त्यौहार पारंपरिक रूप से गीत गाकर मनाया जाता है । देवी गंगा देवी गंगा लहर तुरंगा के गीत को गाकर महिलाएं, बधो व बूढे सभी इस पारंपरिक त्यौहार को उत्साह से मनाते हैं। छत्तीसगढ में गिंया मितान परंपरा की शुरूआत भी भोजली त्यौहार से होता है । इसमें भोजली को एक दूसरे के कान में खोंचकर बधाई देकर दोस्त बनाया जाता है जिसको छत्तीसगढी में गिंया मितान कहते हैं। जांजगीर में सिंचाई कालोनी के पास के नहर में व नहरिया बाबा मंदिर के पास नहर में महिलाओं व बच्चों ने भोजली विसर्जन किया।

हर्षोल्लास के साथ हुआ भोजली विसर्जन

मुंडा। ग्राम पंचायत जुड़ा में कई वर्षों से चली आ रही परंपरा का निर्वहन करते हुए इस वर्ष भी कृष्ण जन्माष्टमी को भोजली बोया गया और अमावस को पोरा तिहार के रूप में मनाया जाने वाला त्यौहार के दिन शाम को महामाया चौक में समस्त गांव भर की लोग भोजली को इकट्ठा कर मदार की थाप पर भोजली गीत गाते हुए भोजली विसर्जन के लिए ले जाया गया जिसमें शामिल राजेश नेताम सरपंच, पूलस, परस, नीलकमल वर्मा, सुरेश वर्मा, जयराम, भोला, नीता, सुमति, रागिनी, चांदनी, नागेश, ऐश्वर्या, छोटी, ईश्वरी, संतोषी, रागिनि, नगिया, बिंदिया, खिलेश्वरी व ग्रामवासी सम्मिलित रहे ।

घूमधाम से किया भोजली विसर्जन

पलारी। घिरघोल के आसपास के गांवों में भोजली विसर्जन बाजे गाजे के साथ जस गीत गाते हुये घूमधाम से किया गया ।

मायके आईं बेटियों ने निभाई पोला पटकने की रस्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुहेला

क्षेत्र में इस वर्ष पोला पर्व पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही गांव में पर्व की तैयारियां जोरों पर थीं। बच्चों और युवाओं ने मिट्टी से आकर्षक नंदी बैल बनाए, वहीं बालिकाओं ने परंपरागत जाता-चक्की को सजाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। पूजन के बाद प्रसाद के रूप में मिष्ठान, खुरमी और ठेठरी का वितरण किया गया।

- बच्चों ने मिट्टी के बैल और जाता-चक्की से की पूजा
- भजन-कीर्तन के साथ हुई भोजली यात्रा, प्रकृति और कृषि संस्कृति का हुआ सम्मान

शाम होते ही पूरे गांव का वातावरण भक्ति और उल्लास से भर गया। तीजा पर मायके आईं बेटियों और बहनों ने मुख्य तिगड्डा चौक पर पारंपरिक रूप से पोला पटका, और बच्चों ने भी विभिन्न खेलों में भाग लेकर इस सांस्कृतिक उत्सव को जीवंत बना दिया। इसी अवसर पर परंपरागत भोजली यात्रा का भी आयोजन हुआ। श्रद्धालु महिलाएं सिर पर भोजली रखकर सेवा मंडली के साथ भजन-कीर्तन करते हुए गांव के बड़े तालाब तक पहुंचीं। तालाब तट पर भोजली का विधिवत विसर्जन किया गया।

पोला पर्वः श्रम और सामूहिकता का प्रतीकः स्थानीय लोगों के अनुसार, पोला पर्व केवल बैल पूजा का पर्व नहीं है, बल्कि यह प्रकृति और कृषि संस्कृति के प्रति आभार प्रकट करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह पर्व ग्रामीण जीवन में श्रम, सहयोग और सामूहिकता के मूल्यों को मजबूत करता है और हमें याद दिलाता है कि हमारा अस्तित्व पशुधन और प्रकृति के साथ गहरे रूप से जुड़ा हुआ है।

भोजली यात्रा का भक्तिमय माहौल

भोजली विसर्जन यात्रा के दौरान सेवा समिति के सदस्यों ने बाजे-गाजे की धुन पर माता का गुणगान करते हुए भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। इस तरह के पारंपरिक आयोजनों से क्षेत्र में सांस्कृतिक चेतना और पारंपरिक मूल्यों की पुनः पुष्टि होती है। ग्रामीणों ने पूरे हर्षोल्लास और परंपरागत आस्था के साथ पोला पर्व को मनाया।

पोला पर नारियल फेंक प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पलारी । डीप गार्डन शारदा मंदिर में प्रातः भ्रमण साथियों द्वारा शनिवार को पोला पर्व के पावन अवसर पर नारियल फेंक प्रतियोगिता का आयोजन बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया, नगर पंचायत पलारी के अध्यक्ष गोपी साहु ने प्रतियोगिता में विशेष रूप से भाग लेकर प्रतिभागियों को उत्साहित किया, पुलिस विभाग से कुर्रे सर ने नारियल फेंक प्रतियोगिता में गार्डन प्रवेश द्वार से शारदा मंदिर द्वार तक 13 बार में नारियल को गर्मजोशी से फेंक कर विजेता बने, इस अवसर पर जगदीश पटेल, तुका वर्मा, फत्तेसेन, रवि कन्नौजे, पटवारी साहब टिकेश्वर साहु, सुरज ठाकुर, कज्जु खान, विकास पटेल, रुपलाल देवांगन, रुपेंद्र सिंहा, सहित योग परिवार पलारी के सदस्यों ने कार्यक्रम में सहयोग कर आयोजन को सफल बनाया।

महिलाओं ने किया पोला पटककर मनाया त्योहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरोरा

अंचल में सोमवार को पशु प्रेम का पवित्र त्योहार पोला पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पोला पर्व पर तिजहारिन महिलाएं मिट्टी से बनी पोला पटकर पारंपरिक रिवाजो का निर्वहन किया। वही बच्चे मिट्टी से बने बैल खींचकर खुब आनंदित हुए। वहीं महिलाओं अपने सहेलियों से मिलकर खुशी का इजहार किया। पोला पटकने के बाद महिलाओं ने पारंपरिक खेलों में जोर आजमाइश किया। ग्राम केशला शिक्षक कॉलोनी के पास बड़ी संख्या में महिलाएं एकत्रित हुई तथा अपने गुजरे दिनों को याद कर दौड़ में अपना दम खम दिखाया। महिलाएं उत्साह और जोश-खरोश के साथ छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलो में जौहर दिखाया।

पोला पर्व का हुआ आयोजन

पलारी । शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला दतान प में पोला पर्व का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया । इस अवसर पर सभी बच्चों ने विभिन्न खिलौने, जाता, बैल नांदी आदि की थाल सजाकर पूजा अर्चना किया गया । विद्यालय में पोरा बैल दौड़, मटका फोड़, नारियल फेंक,मटका दौड़ आदि स्थानीय खेलों का आयोजन किया गया । संस्था के वरिष्ठ शिक्षक अभिषेक महोबे द्वारा बताया कि खेती किसानी का कार्य समाप्त हो जाने के बाद भाद्र पक्ष की अमावश्या को पोला त्यौहार मनाया जाता है । पोला त्यौहार के दिन कृषि में उनके अमूल्य योगदान के रूप में बैलों की पूजा की जाती है ।

पलारी में पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया पोला

पलारी। सरस्वती शिशु मंदिर पलारी में छत्तीसगढ़ का पवित्र त्यौहार पोला हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शिशु कक्षा के भैय्या बहन नांदिया बैल, जाता -पोला लेकर आए यहां पूजा किए। कक्षा छठवीं से ऊपर के बच्चे भोजली बोकर उसे नगर भ्रमण करते हुए तालाब में ठंडा किए। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष इंद्रदेव वर्मा एवं पूर्व अध्यक्ष विपिन बिहारी वर्मा ने भोजली का पूजन अर्चना किया। यह विद्यालय का अभिनव कार्यक्रम था जिसमें नगरवासी शामिल रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त आचार्य दीदीयों एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा।

अखंड रामनाम सप्ताह के पावन अवसर पर हुआ हार्ट बीट ऑर्केस्ट्रा का संगीतमय कार्यक्रम

जय स्तंभ चौक में गूंजे राम नाम और पुराने नगमे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भाटापारा

नगर के जय स्तंभ चौक में श्री अखंड रामनाम सप्ताह समारोह के पावन अवसर पर, प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी हार्ट बीट ऑर्केस्ट्रा बिलासपुर का संगीतमय कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन पिछले 14 वर्षों से पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व पार्षद धनंजय तिवारी द्वारा किया जा रहा है।

इस संगीतमय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक इंद्र साव थे, जिन्होंने इस आयोजन के लिए धनंजय तिवारी को बधाई दी और लगातार 14 वर्षों से आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम की सराहना की। विधायक ने संगीत को जीवन का अभिन्न अंग बताया और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से नगर के प्रतिभाशाली कलाकारों को सीखने और आगे बढ़ने का मौका मिलता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंडी अध्यक्ष सुशील शर्मा ने की, जबकि शरद खरे विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन कोमल शर्मा ने किया। भारी बारिश के बावजूद भी संगीत प्रेमियों का उत्साह कम नहीं हुआ। वाटर प्रूफ पंडाल के नीचे बैठकर लोगों ने देर रात तक कार्यक्रम का आनंद लिया। कलाकारों ने एक से बढ़कर एक सदाबहार हिंदी फिल्मी गीतों की प्रस्तुति दी।

आयोजक ने जताया आभारः कार्यक्रम के आयोजक धनंजय तिवारी ने इस सफल आयोजन के लिए सभी नगरवासियों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग और आशीर्वाद से ही यह कार्यक्रम हर साल नगरवासियों के मनोरंजन के लिए आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन शहर में सांस्कृतिक और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक बन गया है।

संगीत की हुई मधुर प्रस्तुति

ऑर्केस्ट्रा के कलाकारों ने रामजी की निकली सवारी रामजी की लीला है नयारी जैसे भक्ति गीतों के साथ-साथ देशभक्ति गीतों की भी शानदार प्रस्तुति दी। इसके अलावा, मोहम्मद रफी, किशोर कुमार, लता मंगेशकर, आशा भोंसले और मुकेश जैसे दिग्गज गायकों के लोकप्रिय नगमे भी पेश किए गए, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। देर रात तक चले इस कार्यक्रम का लोगों ने भरपूर आनंद उठाया।

एनएचएम कर्मचारियों ने सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन, नौकरी स्थायी करने की रखी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलौदाबाजार

छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ द्वारा बलौदाबाजार जिले के दशहरा मैदान में विगत 18 अगस्त से प्रदेशभर के एनएचएम कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर सतत धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। आज संघ द्वारा कलेक्टर को रैली निकालकर ज्ञापन सौंपने हेतु प्रशासन से अनुमति मांगी गई थी, किंतु अनुमति न मिलने पर कर्मचारियों ने धरना स्थल पर ही सांकेतिक रूप से रैली निकालते हुए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा।एनएचएम कर्मचारी संघ ने ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया है कि प्रदेश में लगभग 16,000 से अधिक संविदा स्वास्थ्यकर्मी बीस वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं। अन्य राज्यों की भांति इन्हें ग्रेड पे, समान कार्य हेतु समान वेतन, सेवा सुरक्षा, अनुकंपा नियुक्ति, चिकित्सा बीमा, चिकित्सा अवकाश जैसी सुविधाएं अब तक उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। वर्तमान सरकार ने भी अपने चुनावी घोषणा पत्र में इन समस्याओं के समाधान का वादा किया था, किन्तु आज पर्यन्त कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

ये हैं संघ की प्रमुख मांगें

संविलियन एवं स्थायीकरण – एनएचएम संविदा कर्मियों का सेवाकाल व अनुभव ध्यान में रखते हुए अन्य राज्यों की तर्ज पर संविलियन किया जाए। पब्लिक हेल्थ कैडर की स्थापना – क्लिनिकल एवं मैनेजमेंट कैडर के कर्मचारियों को सम्मिलित करते हुए पृथक पब्लिक हेल्थ कैडर गठित किया जाए। ग्रेड पे निर्धारण – समान कार्य के लिए समान वेतन की नीति लागू की जाए तथा पद, योग्यता व अनुभव के आधार पर ग्रेड पे दिया जाए। कार्य मूल्यांकन (सीआर) में पारदर्शिता – व्यक्तिगत दुर्भावना से प्रभावित मूल्यांकन रोकने हेतु निष्पक्ष व पारदर्शी व्यवस्था बने। लंबित 27% वेतन वृद्धि – जुलाई 2023 में घोषित वृद्धि का तत्काल भुगतान किया जाए।

खबर संक्षेप

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पोला पर्व

खरोरा। कृषि प्रधान छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध पर्व पोला शनिवार को खरोरा में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। भाद्र मास की अमावस्या को मनाए जाने वाले इस पर्व पर किसान बैलों को सजाकर उनकी पूजा-अर्चना करते हैं और कृषि में उनके योगदान का सम्मान करते हैं। परंपरा अनुसार इस दिन खेत जाना वर्जित होता है। खरोरा में छोटे बच्चे मिट्टी के नंदिया बैलों को चलाकर विशेष उत्साह दिखाते नजर आए, वहीं बुजुर्गों ने बैलों और कृषि उपकरणों की पूजा की। यह पर्व किसानों की मेहनत, पशुधन के महत्व और कृषि संस्कृति की समृद्ध परंपरा को दर्शाता है।

स्कूली बच्चों ने मनाया पोला

सिमगा। सिमगा ब्लॉक के ग्राम पंचायत हरिनभट्ठा के शासकीय प्राथमिक शाला में पढ़ने वाले बच्चों ने आज पोला त्यौहार के अवसर पर अपने हाथों से मिट्टी के विभिन्न सामग्रियों जैसे नंदी बैल, पोला, चक्की (जाता), आदि का निर्माण किया। इस बीच क्षेत्र के जनपद सदस्य चन्द्र प्रकाश टोंडे स्कूल पहुंचे और नजारा देखकर अति प्रसन्न हुए, उन्होंने देखा कि स्कूली बच्चों द्वारा अपने हाथों से इस तरह के सामग्रियों का निर्माण किए जा रहे है। जिसके लिए उन्होंने सभी बच्चों को बधाई देते हुए साथ ही छत्तीसगढ़ के प्रमुख त्यौहार पोला पर्व की उन्होंने सभी को बधाई भी दी।

पर्व : 125 वर्षों से चली आ रही है अनूठी संस्कृति, देखने के लिए सैकड़ों गांव से उमड़ती है भीड़

पोला पर्व की अनोखी परंपराः पकवान के बदले बिकते हैं खिलौने

ग्रामीण कई महीने पहले से करते हैं तैयारी, सिर्फ रोटी-पकवान से होती है खरीदारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ लवन

छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पर्वों में से एक, पोला, लवन के समीपस्थ ग्राम पंचायत कोरदा में बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस गांव की 125 साल पुरानी अनोखी परंपरा है, जहां तालाब के किनारे एक विशेष बाजार लगता है। इस बाजार में महिलाएं और बच्चे मिलकर मिट्टी के घर घुंधिया (मिट्टी के घर) बनाते हैं और उन्हें सजाकर खिलौने बेचते हैं, जिन्हें खरीदने के लिए सिर्फ रोटी और पकवानों का इस्तेमाल होता है।

इस अनूठी परंपरा को देखने के लिए लवन, डोंगरा, अहिल्दा, बरदा, जामडीह, कोलिहा, सरखोर, सोलहा, मुंडा सहित सैकड़ों गांवों से बड़ी संख्या में लोग कोरदा पहुंचते हैं। गांव के लोग कई महीने पहले से ही पोला पर्व की तैयारी में जुट जाते हैं। पुरुष वर्ग मिट्टी के खिलौने और कागज के फूल बनाते हैं, जबकि महिलाएं घर घुंधिया तैयार करती हैं। यह मेला दोपहर 2-3 बजे से शुरू होकर देर रात तक चलता है। कोरदा गांव के लोग अपने घर छोड़कर तालाब के किनारे अपनी बनाई हुई दुकानों में पूरी, बड़ा, भजिया, ठेठरी और खुरमी जैसे विभिन्न छत्तीसगढ़ी व्यंजन लेकर बैठे रहते हैं। इस बाजार में पैसे से कुछ भी नहीं मिलता, बल्कि घर में बने पकवानों के बदले ही खिलौने खरीदे जाते हैं।

कला और संस्कृति का अद्भुत संगमः इस मेले में लोग मिट्टी के आकर्षक खिलौने, कागज के डोंगे, फुग्गे, मिट्टी की चिड़िया और नंदी बैल जैसी मनमोहक वस्तुएं बेचते हैं। यह परंपरा न सिर्फ बच्चों के मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह ग्रामीण जीवन की कला और संस्कृति का भी अद्भुत संगम है। इस खिलौने बाजार में सबसे बेहतरीन स्टॉल को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया जाता है, जो प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाता है।

पारंपरिक व्यंजनों का स्वादः पोला पर्व के दिन कोरदा गांव की महिलाएं अपने घरों से तरह-तरह के पारंपरिक पकवान जैसे पूरी, बड़ा, भजिया, ठेठरी और खुरमी लेकर आती हैं। इन पकवानों का स्वाद चखते हुए लोग खिलौने खरीदते हैं। इस एक दिवसीय मेले में लवन अंचल के 40-50 गांवों के लोग सपरिवार शामिल होकर पोला पर्व का आनंद लेते हैं।

ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पोला पर्व

हिरमी रावन। छत्तीसगढ़ का पारंपरिक पर्व पोला हिरमी, मोहरा, सकलोर, कुथरौद, परसवानी, तिल्दाबाँधा, भालेसुर और बरडीह जैसे ग्रामीण अंचलों में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गांवों में रीति-रिवाजों के अनुसार देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर सुख-शांति और समृद्धि की कामना की गई।

इस त्योहार में नंदिया बैल और पोरा-जांता की पूजा के बाद बच्चे खेल में मग्न हो गए। लोक पर्व पोला कृषि संस्कृति से जुड़ा हुआ है, जो किसानों के साथी बैल और पशुधन के सम्मान का संदेश देता है। लोगों ने पारंपरिक मिठाइयां और पकवानों से अपने इष्टदेव का भोग लगाया। बच्चों ने मिट्टी से बने नंदिया बैला, पोरा और अन्य खिलौनों का खूब आनंद लिया। तिजा मनाने मायके आईं बहनों और बेटियों ने शाम को एकत्रित होकर पोरा पटकने की रस्म पूरी की। दिलेश्वर मढरिया ने बताया कि ग्रामीण अंचल में ढोल-नगाड़ों की गूंज और पारंपरिक गीतों से माहौल भक्तिमय बना रहा।

पारंपरिक खेलों और व्यंजनों का संगमः इस पर्व पर घरों में पोला, नंदी बैला और जांता जैसे कृषि यंत्रों की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद इन पर छत्तीसगढ़िया व्यंजन जैसे ठेठरी, खुरमी, चिला और बरा का भोग लगाया गया। छोटी बच्चियों ने जांता चलाने में मजा लिया, जबकि बच्चों ने मिट्टी के नंदी बैलों को गांव की गलियों में दौड़ाया। वहीं, बहनें अपने पोला को गांव के बाहर खुले मैदान में ले जाकर फोड़ती हैं, जो इस पर्व की एक खास परंपरा है।

बच्चों की निकाली गई झांकियां

पर्व की खुशी में नन्हें बच्चों ने मिट्टी के बैलों को सजाकर झांकियां निकाली और घर-घर जाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने पारंपरिक पकवान जैसे खुरमी, ठेठरी, गुलगुला और अइरसा बनाकर पर्व की खुशी साझा की। पोला पर्व को कृषि और पशुधन का सम्मान दिवस माना जाता है, जो ग्रामीण जीवन की परंपराओं को जीवंत रखता है।

मिट्टी के बैल दौड़ाकर बच्चों ने मचाई धूम

बगबुड़ा। नगर और आसपास के अंचल में शनिवार को पारंपरिक पोला पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें महिलाओं और बच्चों ने सज-धजकर हिस्सा लिया। महिलाओं ने पोला पटकी और फुगड़ी जैसे पारंपरिक खेल खेले, जबकि बच्चों ने मटकी फोड़ प्रतियोगिता में भाग लिया।

किसानों ने इस दिन अपने बैलों का श्रृंगार कर उनकी पूजा-अर्चना की और घर में सुख-शांति की कामना की। घरों में विशेष रूप से छत्तीसगढ़ी व्यंजन जैसे ठेठरी-खुरमी और चिला बनाए गए, जिनका भोग लगाया गया। ग्रामीण अंचलों में बैल मटकी फोड़ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें ग्रामीणों ने खास उत्साह दिखाया। लवन, धाराशिव, दतान, तुरमा और कोहरौद जैसे गांवों में भी पोला पर्व की धूम रही। यहां किसान सुबह से ही कच्चे मिट्टी से बने नंदी बैलों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते नजर आए।

पोला पर्व के एक दिन पहले से ही घरों में पकवानों की खुशबू आने लगती है। इस दिन महिलाओं में पोरा पटकने की परंपरा का निर्वहन करती हैं। वहीं, बच्चे अपनी मिट्टी की बैलगाड़ियों और नंदी बैलों को पहियों से सजाकर गली-मोहल्लों में दौड़ाते हैं, जिससे पूरा माहौल उत्सवमय हो जाता है। छोटी बच्चियां मिट्टी के खिलौने जैसे जांता और चक्की से भी खेलती है।

पोला पर्व मुख्य रूप से किसानों का त्योहार है, जिसमें वे अपने बैलों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। बैल खेती का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं और किसान की मेहनत में उनका बड़ा योगदान होता है। इस दिन किसान अपने बैलों को सजाकर, उन्हें स्वादिष्ट व्यंजन खिलाकर और उनकी पूजा कर उनके प्रति अपना आभार प्रकट करते हैं। यह पर्व कृषि संस्कृति और ग्रामीण जीवन का प्रतीक है।

गणित प्रशिक्षण का चौथा दिवस उत्साह पूर्वक संपन्न

खरोरा। कार्मल पब्लिक स्कूल तुलसी तिल्दा में चल रहे पांच दिवसीय गणित प्रशिक्षण का चौथा दिन शिक्षकों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी सिद्ध हुआ। इस दिन शिक्षकों ने सममित आकृतियों और शून्य के दूसरी ओर की संख्याओं की अवधारणा को सरल व रोचक ढंग से सीखा। प्रशिक्षण में समूहगत गतिविधियों ने सीखने की प्रक्रिया को और भी आकर्षक बनाया। ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल वर्मा ने महिला शिक्षिकाओं के उत्साह की सराहना की। प्रशिक्षकों विवेक सोनी, अनिल निर्मलकर, निर्मल साहू व चित्रसेन वर्मा ने विभिन्न शिक्षण विधियां साझा कीं। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के प्रभारी तरुण देवांगन ने इसे शिक्षण पद्धति में नवाचार का माध्यम बताया।

रेड रिबन क्लब का उन्मुखी कार्यक्रम

पलारी। शासकीय बृजलाल वर्मा महाविद्यालय पलारी रेड रिबन क्लब के तत्वाधान में उन्मुखी कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें विशेष वक्ता के रूप में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पलारी की टीम की उपस्थित थी, जिन्होने बच्चों को रेड रिबन, एड्स, संक्रामक बीमारियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी एवं सामाजिक बुराइयों के रूप में नशे के दुष्प्रभावो एवं उनसे होने वाली बीमारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी कोमल देवांगन द्वारा छात्र एवं छात्राओं को रेड रिबन क्लब के बारे में प्रशिक्षण दिया एवं एड्स के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम मे आत्माराम वर्मा, लक्ष्मीनारायण जलहरे, वीरेंद्र - खरे, इशाज्ञा मेश्राम, डॉ कंचन गिलहरे, लकेश्वरी साहू, सोनम यादव, हेमलता वर्मा, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक गेंदराम धीवर, योगेश कन्नौजे, शैलेंद्र साहू, किशन, मनीष, निलेश, अमन विजय, अन्नपूर्णा रेखा ज्योति, लक्ष्मी त्रिपानी आदि स्वयंसेवक उपस्थित थे।

गनियारी में बालिकाओं को किया गया साइकिल वितरण

खरोरा। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी/हिंदी विद्यालय गनियारी में 23 अगस्त को सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत पात्र बालिकाओं को शासन के मंशा अनुरूप स्कूल आने जाने में सुविधा प्रदान करना तथा उच्च शिक्षा के लिए बच्चों की पढ़ाई मे किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो इस हेतु साइकिल का वितरण किया गया।

इस अवसर पर सरपंच संतोषी निर्मलकर, शाला विकास समिति के अध्यक्ष यशवंत वर्मा, सांसद प्रतिनिधि धनेन्द्र वर्मा, प्राचार्य के. एल. टोप्पो सहित अन्य समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

पेज 11 के शेष

गांव-गांव में ...

जाती हैं। इन्हें ग्रामीण क्षेत्र में भोजली विसर्जनकारी कहा जाता है।

सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है अनुष्ठान : यह अनुष्ठान न केवल आस्था और परंपरा से जुड़ा है बल्कि ग्रामीण समाज में सामूहिकता और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक भी है। पोला और भोजली विसर्जन के अवसर पर पूरे गांव का माहौल भक्तिभाव और उल्लास से सराबोर दिखाई दिया।

रंग बिरंगी संस्कृति ...

और उन पर फूल-माला और गुलाल चढ़ाकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर आकर्षक सुआ नृत्य का भी आयोजन किया गया, जिसने सबका मन मोह लिया।

तीजा पर्व का महत्वः विधायक इंद्र साव ने अपने संबोधन में बताया कि पोला के तीन दिन बाद तीजा पर्व है, जो सुहागिनों के लिए सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। उन्होंने पौराणिक ग्रंथों का हवाला देते हुए कहा कि माता पार्वती ने भगवान शंकर के लिए तीजा का कठिन व्रत किया था। यह पर्व महिलाओं के त्याग और समर्पण का प्रतीक है, जिसे पूरे सम्मान और नए उत्साह के साथ मनाया जा रहा है।

सट्टा-पट्टी लिखने ...

व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है। /"समाधान सेल/" के माध्यम से आपराधिक कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों की धरपकड़ में भी लगातार कामयाबी मिल रही है।

धूमधाम से मनाया ...

तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। बाल संस्कार नगर प्रमुख टिकेश्वरी पटेल ने परिषद के स्थापना दिवस का महत्व बताते हुए संगठन की भूमिका और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संयोजिका आरती सराफ ने की। उन्होंने सभी मातृशक्ति बहनों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी तरह के सहयोग की अपेक्षा जताई।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से टिकेश्वरी पटेल, लता वर्मा, कमला वर्मा, आरती तिवारी, शालिनी त्रिपाठी, तमन्ना कसार, नंदा पटेल, उमा सोनी, रुक्मणि सोनी, शारदा विश्नोई, रश्मि साहू, शांति साहू, मंजू सोनी, चंचल पटेल, खुशबू सोनी तथा दुर्गा वाहिनी नगर सह संयोजिका दामिनी यादव सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति की बहनें उपस्थित रहीं।

अल्ट्राटेक रावन ने...

होगी। सीमेंट बेंचो को सार्वजनिक जगहो पर जिसमे तालाब के किनारे, प्रमुख चौराहे पर पथिको हेतु रोड के किनारे और बस स्टॉप आदि के निकट लगाया गया है। संबंधित ग्राम पंचायत तथा ग्रामीणों ने इस कार्य हेतु हर्ष व्यक्त किया।

लापता बुजुर्ग का...

रामचरण सोनी के रूप में हुई। पुलिस ने परिजनों को मौके पर बुलाकर शव का पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए कसडोल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस फिलहाल बुजुर्ग की मौत के कारणों की जांच कर रही है।

C.G.COLLEGE/SCHOOL OF NURSING
Raipur & Bilaspur
23 वर्षों से संचालित नर्सिंग चिकित्सा, शिक्षा व समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था

BSc Nursing
4yr (12 पास बायो के लिए)

GNM Nursing
3yr (12वी पास सभी विषयो के लिए)

सी जी कॉलेज / स्कूल ऑफ नर्सिंग क्यों है स्टूडेंट्स की पहली पसंद ?

रजिस्ट्रेशन प्रारंभ 2025-26

क्योंकि

- अब तक 1700+ विद्यार्थी सरकारी नौकरी व 2200+ विद्यार्थी को प्राइवेट अस्पताल मे नौकरी प्राप्त
- सुरक्षित कैम्पस • अनुभवी शिक्षको द्वारा शिक्षा
- छ.ग. के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल मेकाहारा व जिला चिकित्सालय रायपुर-बिलासपुर में क्लीनिकल प्रशिक्षण

सेपरेट गर्ल्स और बॉयज़ हॉस्टल
100% कैम्पस प्लेसमेंट की गारंटी
24x7 CCTV कैमरे की निगरानी

#Rajesh

ADMISSION RELATED QUERY:
New Rajendra Nagar, Raipur 9993582707, 7722991707
Kota Road, Sakri, Bilaspur 7722995707, 9993575707

@cgcollegeofnursing +91 9993582707 www.cgnursing.com ccnraipur@gmail.com

सिटीप्लेक्स सिनेमा-भाटापारा
22 अगस्त 2025 SHOW TIME
वार-2 शो समय -12:00, 3:00, 9:00 PM
मोही डारे-2 शो समय -12:00 PM
साम्राज्य शो समय -03:00 PM
कुली शो समय -03:00, 9:00 PM
महावतार नरसिम्हा शो समय - 6:30 PM
नोट : फेसबुक और इंस्टाग्राम में टाईम टेबल देखा जा सकता है।
bookmyshow पर टिकिट बुकिंग सुविधा उपलब्ध
मो. 93001-27666

भक्त माता कर्मा जयंती समारोह आज, मुख्य अतिथि होंगे राजस्व मंत्री टंकराम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलौदाबाजार

ग्राम मुड़पार में साहू समाज की संयुक्त बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि भक्त माता कर्मा जयंती का भव्य आयोजन 24 अगस्त, रविवार को ग्राम मुड़पार स्थित साहू भवन में किया जाएगा। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे एक भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। इसके बाद, सुबह 11 से 12 बजे तक मूर्ति पूजा और सत्यनारायण पूजा का अनुष्ठान किया जाएगा। दोपहर 1 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा, और दोपहर 2 बजे मुख्य अतिथि और अन्य विशिष्ट अतिथिगण कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे। इस अवसर पर, समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा, जिससे युवाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। ग्राम इकाई साहू समाज, तहसील इकाई साहू समाज, जिला साहू समाज, जनप्रतिनिधियों और सर्व समाज से इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग और सहभागिता की अपील की गई है। भक्ति माता कर्मा जयंती के इस भव्य समारोह में कई विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। मुख्य अतिथि के अलावा, डॉ. मोहन वर्मा, जबकि मोनू साहू और डॉ. दौलतपाल आनंद यादव अतिथि दीर्घा में शिरकत करेंगे।

साहू समाज की बैठक में लिया गया निर्णय, कलश यात्रा के साथ होगा कार्यक्रम का शुभारंभ

आयोजन में भागीदारी

इस कार्यक्रम को सफल बनाने की जिम्मेदारी ग्राम इकाई साहू समाज और समस्त साहू समाज मुड़पार को सौंपी गई है। बैठक में ग्राम अध्यक्ष जगन्नाथ साहू, उपाध्यक्ष सुंदरलाल साहू, सचिव दुखहरण साहू, कोषाध्यक्ष दाऊ लाल साहू, तहसील युवा अध्यक्ष यश कुमार साहू और समाज के अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। साहू समाज ने आम नागरिकों से इस आयोजन में शामिल होकर माता कर्मा जयंती को सफल बनाने का आग्रह किया है।

खबर संक्षेप

बरदा में जगह-जगह पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे

मुंडा । ग्राम पंचायत बरदा में आए दिन हो रहे चोरी पर लगाम लगाने व अन्य सामाजिक तत्वों द्वारा नुकसान पहुंचाया जा रहा है बाहरी लोगों द्वारा रात्रि कालीन आना जाना जिसके चलते ग्रामवासी इस समय सदमे में रहते हैं जिसे देखते हुए ग्राम पंचायत बरदा के सरपंच देवकुमारी दुकालू बंजारे द्वारा बरदा के धान खरीद बरदा मोड़ के पास सीसी फुटेज व बाजार चौक के पास लगाया गया है ताकि किसी प्रकार का घटना होने पर पहचान किया जा सके और कार्यवाही की जा सके इस प्रकार से सरपंच के द्वारा किया गया कार्य ग्राम वासियों के लिए प्रशंसनीय सराहनीय बताया गया ।

डॉ संजय हुए डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

बलौदाबाजार । अम्बुजा विद्यापीठ के प्राचार्य डॉ संजय कुमार पांडेय को डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए हैं। यह पुरस्कार एक भव्य समारोह मे नियो कन्वेंशन, जनवाडा, हैदराबाद मे प्रदान किया गया। यह पुरस्कार उन्हें डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के नाती डॉ सुब्रमण्यम शर्मा ने प्रदान किया। विदित हो कि गत दिनो उपदेश मीडिया ने डॉ पांडेय को डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रीय पुरस्कार के लिये नामित किया था। यह पुरस्कार विद्यालय के शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदाय हेतु प्राचार्य के विशेष योगदान के लिये प्रदान किया जाता हैं।

जिले में अब तक 602.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

बलौदाबाजार । जिले में चालू मानसून के दौरान 1 जून से 23 अगस्त 2025 तक 602.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में सर्वाधिक वर्षा तहसील सुहेला में 791.6 मिमी. एवं सबसे कम वर्षा कसडोल तहसील में 486.6 मिलीमीटर हुई है। भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार तहसील टुण्डरा 776.6 मिमी, पलारी में 694.2 मिमी, भाटापारा 608 मिमी, लवन 527.9 मिमी., सोनाखान 570.9 मिमी, सिमगा 561.1मिमी एवं बलौदाबाजार 509.7 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। 23 अगस्त 2025 को 61.5मिलीमीटर दर्ज की गई है जिसकी औसत वर्षा 6.8 मि.मी.है। तहसीलवार में टुण्डरा 7.5 मिमी, सोनाखान 3 मिमी, लवन 5 मिमी, भाटापारा 9.5 मिमी, कसडोल 7.6 मिमी, सुहेला 7 मिमी, पलारी 8.5 मिमी, बलौदाबाजार 3, मिमी बारिश दर्ज की गई है।

निधन

उमा वर्मा

अर्जुनी। नवागांव निवासी उमा वर्मा 73 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे सेवानिवृत्त शिक्षक मालिक राम वर्मा की धर्मपत्नी व शिक्षक धनेश कुमार वर्मा और छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज अर्जुनी राज कोषाध्यक्ष एवं शिक्षक राकेश कुमार वर्मा की माता थी। तथा शिक्षक रमेश कुमार वर्मा व शेखर वर्मा की चाची थी। उनका अंत्येष्टि कार्यक्रम 23 अगस्त को नवागांव जमुनइया स्थित मुक्तिधाम में किया गया । उक्त कार्यक्रम में बड़ी संख्या में परिजन व स्वजातीय बंधु शामिल रहे। दशगात्र कार्यक्रम 01 सितंबर को ग्राम नवागांव निज निवास में सम्पन्न होगा।

दोस्ती और भाईचारे का प्रतीक है भोजली पर्व, युवतियों ने सिर पर रखकर निकाली शोभायात्रा

'लहर तुरंगा, अहो देवी...' की धुन पर गूंजा बलौदाबाजार, भोजली विसर्जन में उमड़ी भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलौदाबाजार

बलौदाबाजार अंचल के विभिन्न गांव में जन्माष्टमी के दिन घर-घर में रोपी गई भोजली की पौधों को युवतियां सिर में रखकर आकर्षक रूप से सजाकर शोभायात्रा के रूप में तालाबों व नदियों तक ले जाया गया और विधि-विधान से विसर्जन किया गया। इस दौरान देवी गंगा की स्तुति में गाए जाने वाले लोकगीत "लहर तुरंगा, अहो देवी..." से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

भोजली को छत्तीसगढ़ की संस्कृति में मित्रता का पर्व माना जाता है। जिस प्रकार आधुनिक युग में युवा फ्रेंडशिप डे मनाकर मित्रता का इजहार करते हैं, उसी प्रकार भोजली पर्व में मित्र-बंधु एक-दूसरे को भोजली देकर दोस्ती और भाईचारे को प्रगाढ़ करने की परंपरा निभाते हैं। महिलाएं और युवतियां इस अवसर पर विशेष लोकगीत गाती हैं, जिन्हें भोजली गीत कहा जाता है। विसर्जन के दिन सुबह से ही ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में उल्लास का माहौल रहा। महिलाएं रंग-बिरंगे परिधानों में सजधज कर भोजली विसर्जन यात्रा में शामिल हुईं और समूह में गीत गाते हुए तालाब तक पहुंचीं।

लोक परंपरा का हिस्सा है 'मितान' और 'गियां' धर्म

भोजली विसर्जन के अवसर पर बड़ी संख्या में युवकों ने मितान धर्म निभाने का संकल्प लिया, जबकि युवतियों ने गियां धर्म को निभाने का प्रण किया। इसे निभाना छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस दौरान लोगों ने सुख-समृद्धि और परिवार के मंगल की कामना करते हुए पूजा-अर्चना भी की।

युवकों ने लिया मितान धर्म निभाने का संकल्प

भोजली विसर्जन के अवसर पर बड़ी संख्या में युवकों ने मितान धर्म निभाने का संकल्प लिया, वहीं युवतियों ने गियां धर्म को निभाने का प्रण किया। इसे निभाना छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा का हिस्सा है। इस दौरान लोगों ने सुख-समृद्धि और परिवार के मंगल की कामना करते हुए पूजा-अर्चना भी की गई। जिले के विभिन्न गांवों और कस्बों में भोजली विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या में लोग उमड़े। विसर्जन स्थलों पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखते ही बनती थी। गीत-संगीत, हंसी-ठिठोली और उत्साह से पूरा माहौल छत्तीसगढ़ी संस्कृति में रंगा नजर आया।

अंचल में पोला पर्व पर भोजली माई का हुआ आयोजन

भरूवाडीह/सैहा/गुमा । भोजली दाई का शोभायात्रा के साथ अंचल के कोकड़ी, रिसदा,पुरान,ठेलकी,खम्हरिया, भरूवाडीह, चांपा, सैहा, बेल्हा, गितकेरा, औंरासी, चुचरुंगपुर, सरसेनी, गुमा, पौंसरी, सेम्हराडीह, चंडी, पिपराही, सरकीपार ,ढनढनी, खैरवारडीह, आदि गॉवों में मां भगवती का रूप है भोजली दाई का जिनका प्रतिदिन नौ दिन तक सेवा उपरांत झांझ,मंजीरा,और मांदर की थाप में जस गीत के साथ भोजली माई का शोभायात्रा आज गांव-गांव में गलियों का भ्रमण करते हुए स्वागत और पूजा पाठ के साथ विसर्जन के लिए तालाब की ओर प्रस्थान कर विसर्जन किए गये।

मुंडा में हुआ नगमत कार्यक्रम

मुंडा । आदर्श ग्राम पंचायत मुंडा में कई वर्षों से चली आ रही परंपरा का निर्वाहन करते हुए इस वर्ष भी महामाया चौक छोटा बाड़ा घर के पास नागमत कार्यक्रम का आयोजन किया गया ज्ञात हो इस कार्यक्रम में सहभागियों के द्वारा इकट्ठा कर नागमत कार्यक्रम का निर्वाहन किया जाता है और सभी झने आकर आसन में चावल चढ़कर अपना स्थान बनाकर मदार की थाप पर नागमत गीत गाया और समाप्त होते ही नारियल और लाई की प्रसाद वितरण किया गया । जिसमें सम्मिलित ललाराम वर्मा, शांत वर्मा, रंमूलाल वर्मा, डीश कुमार वर्मा, चंद्रेश वर्मा, मानाराम पटेल, मनीराम वर्मा, नकुल भोलाराम वर्मा, यशवंत वर्मा, राजाराम, पुनीत टंडन, डूमेश वर्मा, रामकुमार, सेवक राम रजक, धानु वर्मा, लोमस वर्मा, बसंत वर्मा सहित ग्रामवासी शामिल रहे ।

शहरी आजीविका मिशन के कर्मचारियों ने डिप्टी सीएम को सौंपा ज्ञापन

बलौदाबाजार । राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत प्रदेश में कार्यरत लगभग 150 अधिकारी कर्मचारी उपमुख्यमंत्री अरुण साव से मिले और ज्ञापन सौंपकर अपने नौकरी को स्थायित्व प्रदान करने कहा। सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत पूरे प्रदेश में लगभग 150 लोग काम कर रहे हैं जो कि केन्द्र व राज्य की विभिन्न योजनाओं को आम नागरिकों तक पहुंचा उनकी सहायता करने का काम करते हैं।

मानव संसाधन आजीविका व शहरी विकास एवं सामुदायिक सेवा का काम वह बखूबी कर रहे हैं पर उनके मन में संशय है कि उन्हें निकाल न दिया जाए ऐसी स्थिति में उनके सामने बेरोजगारी की समस्या तो आयेगी परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पडेगा। ऐसी स्थिति को देखते हुए उन्हें स्थायित्व प्रदान किया जाये ताकि उनकी समस्या हल हो सके। इस पर उप मुख्यमंत्री ने उनकी बातों को सहृदयता से सुना और कहा कि अभी ऐसी कोई समस्या नहीं है। आप सब निश्चिंत रहे। हमारी सरकार किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी। इस अवसर पर प्रदेश भर से आये अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

पीएम आवास निर्माण में तेजी लाने लगाया गया आवास चौपाल

बलौदाबाजार । जिला पंचायत सीईओ सुश्री दिव्या अग्रवाल के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत स्वीकृत आवासों को तेजी से पूर्ण करने एवं हितग्राहियों को प्रोत्साहित करने हेतु पंचायतों में प्रत्येक गुरुवार को आवास चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। आवास चौपाल में अप्रारम्भ या अपूर्ण आवासों की सूची का पठन एवं आवास अपूर्णता के कारणों की जानकारी हितग्राहियों से लेकर पूर्ण कराने प्रेरित किया जा रहा है। आवास निर्माण हेतु सामग्री क्रय तथा तकनीकी पहलुओं की जानकारी, रेन वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण की जानकारी दिया जा रहा है। इसके साथ ही किसी हितग्राही को आवास निर्माण में कोई दिक्कत होने पर उसका समाधान किया जा रहा है।

विप्र महिला मंडल ने आयोजित किया तीज मिलन व दही लूट...

सिमगा| विप्र महिला मंडल के अध्यक्ष सुवर्णा शर्मा के मार्गदर्शन में आज विप्र भवन में महिलाओं के द्वारा तीज मिलन एवं दही लूट का कार्यक्रम किया गया। जिसमें महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। अध्यक्ष सुवर्णा शर्मा एवं सचिव नंदिनी तिवारी द्वारा महिलाओं को सुहाग सामग्री दी गई एवं अन्य मनोरंजन कार्यक्रम भी संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से गौरी शर्मा, स्मृति चौबे, श्वेता अवस्थी, आरती शर्मा, पिंकी अवस्थी, रजनी दुबे, लक्ष्मी शर्मा, कुमारी श्रेया शर्मा, विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विप्र समाज सिमगा परिक्षेत्र अध्यक्ष सुनील तिवारी, विक्रमादित्य पांडे का विशेष रूप से योगदान रहा।

गिधौरी-शिवरीनारायण मार्ग खस्ताहाल, गड्ढे में फंसा ट्रक

गिधौरी। शिवरीनारायण मार्ग की हालत खस्ताहाल हो गई है। शनिवार को गिधौरी -शिवरीनारायण मार्ग की सड़क जबरदस्त जानलेवा गड्ढे हो गये थे और बाईक सवार ई-रिक्शा पलट गया था एवं पैदल चलने वाले राहगीर गिरकर घायल हो गये है और ट्रक बीच सडक गड्ढा पर खराब हो गया था जिसके चलते चक्का जाम की स्थिति बनी रही । शासन प्रशासन की कमजोरिया एवं लापरवाही से कोई बड़ा हादसा हो सकती है ।

गोपालपुर में हुई बैठक, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया ज्ञापन

आंगनबाड़ी कर्मियों को शासकीय कर्मचारी का दर्जा देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोपालपुर

धनेश्वरी भास्कर अध्यक्ष परियोजना, आंगनबाड़ी संघ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया की। छत्तीसगढ़ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायता को सरकारी कर्मचारी की दर्जा देने के लिए, कुर्मी भवन में बैठक कर माननीय प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम पर मांगो का गोहार लगाया गया है।

धनेश्वरी भास्कर संघ के अध्यक्ष ने बताया कि सन- 1975 से आई सी डी एस का गठन सरकार द्वारा किया गया था। किन्तु पांच दशक गुजर जाने के बाद भी केंद्र सरकार द्वारा पैंतालीस सौ रुपये कार्यकर्ता एवं सहायिका को बाईस सौ पच्चास रुपये मानदेय दिया जा रहा है। आज की महंगाई को देखते हुए, यह जीवन यापन के लिए बहुत ही कम राशि है। आंगन बाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका निरंतर केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को सफल बनाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे। यहाँ तक कोरोना जैसे वैश्विक महामारी को अपने जान के परवाह किये बीना निःशुल्क सेवा प्रदान किये है, अध्यक्ष ने मांग के सन्दर्भ में कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को शिक्षा कर्मी, सचिव की तरह सरकारी कर्मचारी घोषित किया जावे। तब तक कार्यकर्ता सत्ताईस हजार व सहायिका तेईस हजार मानदेय प्रति दिया जावे। सेवानिवृत्त होने पर पेंशन ग्रेजुएटी, कार्यकर्ता को सुपरवाइजर के पद पर विभाग प्रमोशन परीक्षा नियम समाप्त हो तथा सामूहिक बीमा का लाभ मिले।